भारतीयों को सनातन मूल्य ऋषि-मुनियों से मिले: वर्तिका

भोपाल (काप्र)।

सब सुखी हों, सब दुर्बलता से मुक्त हों, सब अच्छाई देखें, कोई दु:ख का शिकार न हो। हम भारतीयों को ये मूल्य हमारे ऋषि-मुनियों से मिले हैं, जिन्होंने निस्वार्थ भाव से दुनिया भर में संपूर्ण मानवता के लिए प्रार्थना की।

यह उद्गार वरिष्ठ पत्रकार एवं लेडी श्रीराम कॉलेज नई दिल्ली पत्रकारिता विभाग की प्रमुख डॉ. वर्तिका नन्दा ने पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया के भोपाल चैप्टर द्वारा रविवार को राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर रवीन्द्र भवन में आयोजित व्याख्यान में व्यक्त किए। उन्होंने सनातन मूल्य और उभरता भारत- जनसंपर्क के परिप्रेक्ष्य में विषय पर विशेष व्याख्यान में कहा कि सनातन का मतलब सत्य से है, और सत्य ही शाश्वत है। उन्होंने भीम बैठिका का जिक्र करते हुए कहा कि हमें अपने ऐतिहासिक धरोंहरों पर भी ध्यान देना चाहिए, साथ ही समाज के वंचित लोगों की समस्याओं से भी सरोकार रखना होगा। उन्होंने इस दौरान शेरू और 'किस्सा खाकी का' के माध्यम से

अपनी बात रखते हुए दिल्ली पुलिस के साथ उनके वार्तालाप का भी जिक्र किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि पद्मश्री वैद्य डॉ. बालेन्दु प्रकाश ने भी अपने विचार रखते हुए आयुर्वेद के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सनातन का मतलब बताते हुए कहा कि हमारा स्वभाव हमारी प्रकृति ही सनातन है, यही सत्य भी है। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक गिरिजा शंकर ने भी सभी को शुभकामनाएं देते हुए अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में पीआरएसआई भोपाल के अध्यक्ष मनोज द्विवेदी ने स्वागत भाषण में संस्था के कार्यों के बारे में बताया। उन्होंने पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत पाठक के संदेश को भी पढ़कर सुनाया।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जी.एस.वाधवा को लोक संपर्क सम्मान सहित 19 महिला पत्रकार व संचारकर्मियों को अचला एवं उदिता अवार्ड से सम्मानित किया गया। पीआरएसआई भोपाल चैप्टर के अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया है कि मध्यप्रदेश के पत्रकारिता मीडिया, टी.वी. मीडिया और कार्पोरेट मीडिया में कार्यरत चुनिंदा महिला पत्रकारों, टी.वी. एंकरों और जनसंपर्क प्रोफेशनल्स को स्व. पुष्पेंद्रपाल सिंह की स्मृति में अचला और उदिता सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाली महिलाओं में नुपूर चतुर्वेदी, सोनल भारद्वाज, शुभ्रा सिंह, वृंदा प्रधान, रानी रैकवार, फरीदा खान, प्रीति द्विवेदी, प्रियदर्शिनी सिंह, सृष्टि दीक्षित, शैलजा पुरोहित, रसिका पाण्डेय, योगिता यादव, मनीषा त्रिपाठी, प्राची मेहरा, देवांशी शर्मा, चित्रांशी सक्सेना, ऐश्वर्या श्रीवास्तव, अवंतिका श्रीवास्तव एवं अंजलि सिंह शामिल हैं। पीआरएसआई के सचिव पंकज मिश्रा, कोषाध्यक्ष केके शुक्ला, माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि के रजिस्ट्रार अविनाश वाजपेयी, प्रकाश साकल्ले, विजय बोंद्रिया, दिनेश शुक्ला, सहित बड़ी संख्या में पत्रकार, मीडियाकर्मी व जनसामान्य उपस्थित थे। अंत में एमसीयू के रजिस्ट्रार अविनाश वाजपेयी ने आभार व्यक्त किया।

मांस विक्रय करने वाले सहित अन्य के विरुद्ध स्पॉट फाइन की कार्यवाही

भोपाल (काप्र)।

नगर निगम द्वारा साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध स्पॉट फाईन की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में रविवार को निगम अमले ने भगवान महावीर जयन्ती पर शहर में मांस विक्रय की दुकाने बंद होने के बावजूद मांस विक्रय करने वाले मांस विक्रेता पर 4 हजार रुपये सहित 24 प्रकरणों में 12 हजार 500 रुपये की राशि स्पॉट फाईन के रूप में वसूल किए।

निगम आयुक्त हरेंद्र नारायन द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में निगम के जोन क्र. 8 के अंतर्गत वार्ड क्र. 46 में महावीर जयन्ती के अवसर पर मांस विक्रय बंद होने के आदेश एवं एनाउंसमेंट कर सूचना देने के बाद भी ईश्वर नगर क्षेत्र में चिकन शॉप खोलकर मांस विक्रय करने वाले के विरूद्ध 4 हजार रुपये की राशि स्पॉट फाईन के रूप में वसूल की साथ ही खुले में मूत्र त्यागने व कचरा फैलाने के 2 प्रकरणों में 600 रुपये की राशि वसूल की। इसी प्रकार निगम के अमले ने जोन क्र. 1 में साफ-सफाई व्यवस्था में विभिन्न प्रकारों से व्यवधान उत्पन्न करने वाले 6 प्रकरणों में 2 हजार 900 रुपये, जोन क्र. 2 में 1 प्रकरण में 200 रुपये, जोन क्र. 4 मे 6 प्रकरण में 2 हजार 100 रुपये तथा जोन क्र. 20 में 5 प्रकरणों में 2 हजार 700 रुपये की राशि स्पॉट फाईन के रूप में वसूल की। इस प्रकार निगम अमले ने कुल 24 प्रकरणों में 12 हजार 500 रुपये की राशि स्पॉट फाईन के रूप में वसूल की।

राजधानी में रविवार को भगवान महावीर स्वामी की जयंती के अवसर पर शोभायात्रा निकाली गई।

मुख्यमंत्री ने महावीर जयंती पर शोभायात्रा रवाना की

भोपाल (काप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महावीर जयंती के अवसर पर आज भोपाल के इतवारा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिगम्बर जैन पंचायत महासभा द्वारा महावीर स्वामी के जन्म कल्याण महोत्सव में नागरिकों को बधाई एवं मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान महावीर ने अहिंसा प्रेम और करूणा का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं सदैव प्रासंगिक रहेंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सद्भाव और शांति के प्रतीक कबूतर उड़ाए एवं शोभा यात्रा को रवाना किया। इस अवसर विधायक व भाजपा के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, भाजपा के प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी और दिगम्बर जैन पंचायत महासभा के पदाधिकारी एवं आमजन उपस्थित थे।

कॉलेजों में ऑनलाइन एडमिशन प्रक्रिया की गाइडलाइन जारी

बीसीए के लिए मैथ्स की अनिवार्यता खत्म आर्ट्स के छात्र भी ले सकेंगे प्रवेश

भोपाल (काप्र)।

उच्च शिक्षा विभाग ने मई में शुरू होने वाली कॉलेजों में ऑनलाइन एडमिशन की प्रक्रिया के लिए गाइडलाइन जारी कर दी है। विभाग ने बीसीए में प्रवेश के लिए 12वीं में मैथ्स की अनिवार्यता को खत्म कर दिया है।

आर्ट्स सहित अन्य संकाय के छात्र भी बीसीए में प्रवेश ले सकेंगे। वहीं तीन वर्षीय एलएलबी कोर्स में प्रवेश के लिए अब छात्रों को न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों की अनिवार्यता नहीं होगी। उन्हें 45 प्रतिशत न्यूनतम अंक लाना होंगे, जबकि ओबीसी कैटेगरी के छात्रों को 42 प्रतिशत तथा एससी और एसटी के छात्रों को 40 प्रतिशत अंक ही न्यूनतम लाना होंगे। उच्च शिक्षा विभाग की एडमिशन प्रक्रिया में इस बिंदु को प्राथमिकता से शामिल किया गया है। हालांकि अभी रजिस्ट्रेशन व काउंसलिंग का शेड्यूल जारी नहीं किया गया है, लेकिन यह तय माना जा रहा है कि बीकॉम, बीए, बीएससी, बीबीए और बीसीए जैसे यूजी तथा एमकॉम, एमए, एमएससी जैसे पीजी कोर्स के लिए 15 मई के बाद कभी भी रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएंगे।

मूल दस्तावेज कॉलेज में जमा नहीं कराना होंगे : राहत की बात यह है कि इस बार भी ऑनलाइन एडमिशन प्रक्रिया के तहत जिन छात्रों को कॉलेज अलॉट होगा, उन्हें एडमिशन लेते समय कोई भी मूल दस्तावेज कॉलेज में जमा नहीं करवाना होगा। यानी छात्र कॉलेज को न तो टीसी-मार्कशीट, माइग्रेशन, आय-जाति व मूल निवासी आदि दस्तावेज की मूल प्रति जमा करवाएंगे और न ही फोटोकॉपी । दस्तावेज सत्यापन इस साल भी ऑनलाइन ही होगा, लेकिन जिन आवेदनों में त्रुटि पाई जाएगी, उसमें सुधार के लिए छात्र को मोबाइल पर मैसेज आएगा। उसे किसी भी शासकीय कॉलेज के हेल्प सेंटर पर पहुंचकर यह ठीक करवाना होगा।

एक हजार रु. फीस जमा कर प्रवेश पक्का कर सकेंगे

पहली लिस्ट मेरिट आधार पर उच्च शिक्षा विभाग ही जारी करेगा। एडमिशन लिस्ट में नाम आने पर एक हजार रुपए फीस देकर प्रवेश पक्का किया जा सकेगा। हर छात्र को सिर्फ ऑनलाइन दस्तावेज जमा करवाना होंगे, क्योंकि एडमिशन विड्रा करने पर मूल दस्तावेज के लिए कॉलेजों के चक्कर नहीं काटना पड़ेंगे।

मेरिट के आधार पर मिलेगी सीट

आईटीआई पास विद्यार्थी अब यूजी कोर्स में ले सकेंगे प्रवेश

भोपाल (काप्र)।

2024-25 सत्र में प्रवेश को लेकर उच्च शिक्षा विभाग ने गाइडलाइन जारी कर दी है। स्नातक प्रथम वर्ष में पात्रता संबंधित दिशा-निर्देश भी दिए है, जिसमें बारहवीं के बाद आईटीआई करने वाले विद्यार्थी भी प्रवेश ले सकेंगे। साथ ही यूजी डिप्लोमा धारक भी प्रवेश प्रक्रिया में हिस्सा ले सकेंगे।

आईटीआई और डिप्लोमा में 45 से 50 प्रतिशत से ऊपर अंक होना चाहिए। मेरिट के आधार पर विद्यार्थी को सीट आवंटित की जाएगी। विभाग के मुताबिक रजिस्ट्रेशन के बाद विद्यार्थियों को प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। उसके बाद ही च्वाइस फीलिंग कर सकेंगे। उसके बाद ही कॉलेजों की सीटें आवंटित की जाएगी। विभाग ने दो चरण आनलाइन काउंसलिंग का रखा है, जिसमें विद्यार्थियों को पंजीयन करवाने के बाद अंकसूची, मूल निवासी, जाति-आय प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेज का सत्यापन करवाना होगा। फिर च्वाइस फीलिंग में हिस्सा लेना है। करीब पंद्रह पसंदीदा कॉलेज व कोर्स के बारे में बताना है। विद्यार्थियों को मेरिट के आधार पर कॉलेज मिलेगा। बाद में फीस की पहली किस्त ऑनलाइन देना होगी। उसके बाद कॉलेज में शेष राशि जमा करना होगी। विभाग ने अल्पसंख्यक कॉलेजों के लिए भी ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया रखी है। बस इसके लिए अलग से वेबसाइट रखी है, जिसमें संस्थानों को पंजीयन करवाना है। कोर्स, सीट संख्या, फीस के बारे में जानकारी भरना है। विभाग ने विद्यार्थियों को स्पष्ट निर्देश दिए है कि पंजीयन के दौरान गलत जानकारी और फर्जी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर कार्रवाई की जाएगी। इसका अधिकार सत्यापन करने वाले प्राध्यापकों व कालेज प्राचार्य को दिया है। साथ ही फर्जी दस्तावेज देने वालों को काउंसलिंग प्रक्रिया से बाहर किया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से पहले विभाग ने सभी विश्वविद्यालय को संबद्धता प्राप्त कॉलेजों की सूची मांगी है। यह काम अप्रैल अंतिम सप्ताह तक पूरा करना होगा। ताकि कालेजों को प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ा जा सके। वहीं कालेजों को अपनी प्रोफाइल भी अपडेट करना है।

गलत जानकारी और फर्जी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर कार्रवाई की जाएगी

हॉस्पिटल और क्लिनिक के लिए एफएसएसएआई रजिस्ट्रेशन जरूरी

बिना लाइसेंस के नहीं चला सकेंगे कैंटीन या मेस

भोपाल (काप्र)।

राजधानी भोपाल के सभी हॉस्पिटल या क्लिनिक पर अब एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) से रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस लेना जरूरी होगा। बिना इसके वे न तो कैंटीन चला सकेंगे और न ही मेस। इसमें फूड विभाग कार्रवाई करेगा। इसे लेकर आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।

रजिस्ट्रेशन के लिए 100 रुपए एवं लाइसेंस के लिए 2000 रुपए की फीस निर्धारित है। पंजीयन एवं लाइसेंस केवल ऑनलाइन ही जारी किए जाते हैं। सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने सभी सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल को रजिस्ट्रेशन-लाइसेंस लेने के लिए आदेश जारी किया है। उन्होंने बताया, खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 की धारा 31 के अंतर्गत खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग से यह लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन लेना जरूरी है। जिले में संचालित ऐसे सभी सरकारी हॉस्पिटल, प्राइवेट नर्सिंग होम जहां मरीजों या परिजनों को खाद्य सामग्री परोसी जाती है, उन्हें रजिट्रेशन कराने के साथ लाइसेंस लेना जरूरी है। लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन न पाए जाने पर अधिनियम में दंड के प्रावधान भी किए गए हैं।

कुछ दिन पहले खाद्य सुरक्षा प्रशासन के कमिश्नर ने इस संबंध में सभी जिलों को निर्देश जारी किए गए थे। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 विनियम 2011 अंतर्गत खाद्य पदार्थों के निर्माण, विनिर्माण भंडारण, प्रसंस्करण, विक्रय, परिवहन आदि के लिए खाद्य लाइसेंस अथवा पंजीयन लिया जाना अनिवार्य किया गया है। भोपाल के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जेपी हॉस्पिटल, बंसल हॉस्पिटल, चिरायु मेडिकल कॉलेज, अपोलो सेज हॉस्पिटल, पीपुल्स हॉस्पिटल, सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने पहले ही रजिस्ट्रेशन करा लिया है। अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं को भी रजिस्ट्रेशन कराना पड़ेगा। हॉस्पिटल में कैंटीन या मेस संचालित होने के अलावा यदि सील बंद, डब्बा बंद खाद्य सामग्री दी जाती है, तब भी पंजीयन व लाइसेंस लेना जरूरी है। एक साल में 12 लाख से कम की खाद्य सामग्री का विक्रय होने पर पंजीयन एवं 12 लाख से अधिक की खाद्य सामग्री का विक्रय होने पर लाइसेंस जारी किया जाता है।

मेंटेनेंस के नाम पर रोज चार-पांच घंटे कटौती

अघोषित बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान

भोपाल (काप्र)।

बिजली कंपनी फीडरों पर मेंटेनेंस के नाम पर हर रोज अलग-अलग क्षेत्रों में कटौती की जा रही है। चार से पांच घंटे की घोषित कटौती के बाद भी जमकर की जा रही अघोषित बिजली कटौती से भी उपभोक्ता परेशान हैं।

शहर के विभिन्न स्थानों पर बारी-बारी से बिजली का आना-जाना लगा रहता है। कहीं आधा घंटे, कहीं एक घंटे तक बिजली गुल हो जाती है। गर्मी के सीजन में बिजली कटौती लोगों के लिए मुसीबत बन रही है। बिजली गुल होने पर व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित होता है। गर्मी में सुबह नौ बजे से दोपहर दो और तीन बजे तक बिजली गुल रखी जा रही है, जिससे कुछ लोगों ने इन्वर्टर लगाकर समस्या से निजात पाने का प्रयास किया है, लेकिन यह प्रयास भी प्रभावी नहीं हो पा रहा है। मेंटेनेंस के नाम पर अघोषित रूप से बिजली की कटौती हो रही है। पिछले माह से लगातार बिजली कटौती का सिलसिला जारी है। बिजली कंपनी फीडरों पर निर्माण कार्य कराए जाने के नाम पर सर्दियों में बिजली गुल करती आई है। अब भी कई फीडरों पर निर्माण कार्य करने के साथ प्री मानसून मेंटेनेंस के नाम पर बिजली गुल कर उपभोक्ताओं को परेशान किया जा रहा है।

विद्युत वितरण कंपनी के मेंटेनेंस से सबसे ज्यादा परेशानी नगर संभाग उत्तर के उन फीडरों पर उपभोक्ताओं को झेलना पड़ रही है। जहां बिजली कंपनी ने छह से अधिक बार निर्माण कार्य और संधारण कार्य के नाम पर शटडाउन लिया। साथ ही नगर संभाग पूर्व के कई फीडर भी ऐसे हैं जहां एक से अधिक बाद मेंटेनेंस के नाम पर बिजली सप्लाई बाधित की गई। कंपनी अधिकारी संधारण कार्य के अनुसार शटडाउन लेने की बात कर पल्ला झाड़ रहें हैं।

भोपाल प्रत्याशी श्रीवास्तव के पक्ष में कार्यकर्ताओं में भरा जोश

भोपाल (काप्र)।

भोपाल लोकसभा संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव के चुनाव-प्रचार और कार्यकर्ताओं को बूथ पर कार्य करने की जिम्मेदारी को लेकर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में नरेला विधानसभा सहित लोकसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठक आहूत की गई।

बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अपने अपने बूथ को मजबूत करने पर जोर दिया। कांग्रेस प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव ने कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुये कहा कि आप हमारे सेनापति हैं और हम सभी पर पूरी जिम्मेदारी है कि कैसे हमें बूथ तक पहुंचकर कांग्रेस के पक्ष में एक-एक वोट डलवाना है।

उन्होंने कहा कि आपकी तरह ही मैं भी एक साधारण कार्यकर्ता हूं। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि मेरा मुकाबला भाजपा के आलोक शर्मा से तो है ही लेकिन भाजपा की जुमलेबाजी, झूठ की राजनीति और प्रदेश में बढ़ रही बेहताशा महंगाई, बेरोजगारी, किसानों पर अत्याचार, अजा अजजा के लोगों पर अत्याचार, महिलाओं पर अत्याचार से भी है। उन्होंने कहा कि भाजपा 400 पार का नारा दे रही है, भाजपा बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर द्वारा बनाये संविधान को बदलाव करना चाहती है। बाबा साहेब अंबेडकर के कानून को बदलने की कोशिश भाजपा करेगी तो पहली आवाज मैं उठाऊंगा। आप मुझे चुनाव जिताएं मैं आपकी आवाज बनूंगा।

श्री श्रीवास्तव ने कहा कि भोपाल की धरती पर 2005 से मास्टर प्लान नहीं है। कई कालोनियों को अवैध घोषित किए हैं तो टैक्स क्यों लिया जा रहा है। कांग्रेस ने देश को आजाद कराने के लिए छाती पर गोलियां खाई है। हम इस देश के कानून को बदलने नहीं देंगे। बैठक में वरिष्ठ नेता ठाकुर सुरेन्द्र सिंह, महेन्द्र जोशी, डॉ. महेन्द्र सिंह चौहान, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष आसिफ जकी, पूर्व महापौर दीपचंद यादव, पूर्व महापौर विभा पटेल, जे.पी. धनोपिया, मनोज कपूर, रवि सक्सेना, ललित सेन, संजय गुप्ता और रफीक खान मंसूरी सहित नरेला विधानसभा के सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।